साध्य दैनिक
4PM

जहां जाइये प्यार फैलाइए। जो भी आपके पास आये वह और खुश होकर लौटे।
-मदर टेरेसा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 334 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, सोमवार, 15 जनवरी, 2024

जायसवाल-दुबे ने बढ़ाया भारत... 7 | इंडिया गठबंधन में बिहार करेगा... 3 | इंडिया गठबंधन की जीत के लिए... 2

न्याय यात्रा में राहुल के साथ जुट रहा अपार जनसमूह

» यात्रा का आज दूसरा दिन, इंफाल के सेकमई से शुरू
» जयराम रमेश बोले- पारंपरिक ध्वजारोहण के बाद हुआ आगाज
» कांग्रेस बोली- ढोंगी बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकना है
» भाजपा भड़की, जोड़ो नहीं तोड़ो यात्रा है
» भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होंगे दानिश अली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। लोकसभा चुनाव शुरू होने में कुछ ही महीने बचे हैं। ऐसे में कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी ने मणिपुर से मुंबई तक 6,700 किलोमीटर से ज्यादा की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू कर दी है। आज उनकी यात्रा का दूसरा दिन है। दूसरे दिन की यात्रा में लाखों की संख्या में लोग जुड़े। चारों ओर राहुल की जय-जय कार के साथ लोग जुट रहे हैं। इस यात्रा को लेकर वार-पलटवार भी जारी है। जहां कांग्रेस ने यात्रा के दौरान लोगों से बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील की है तो वहीं बीजेपी ने कहा है कि यह यात्रा भारत को विभाजित करने के लिए निकाली जा रही है। राहुल गांधी ने सोमवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा दूसरे दिन इंफाल के सेकमई से शुरू की। इस दौरान उन्हें बधाई देने के लिए रास्ते पर लोग जमा दिखाई दिए। कांग्रेस नेता ने वोल्वो में यात्रा की शुरुआत की। बाद में गांधी ने कुछ दूरी तक पैदल भी यात्रा की। इस दौरान लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा।

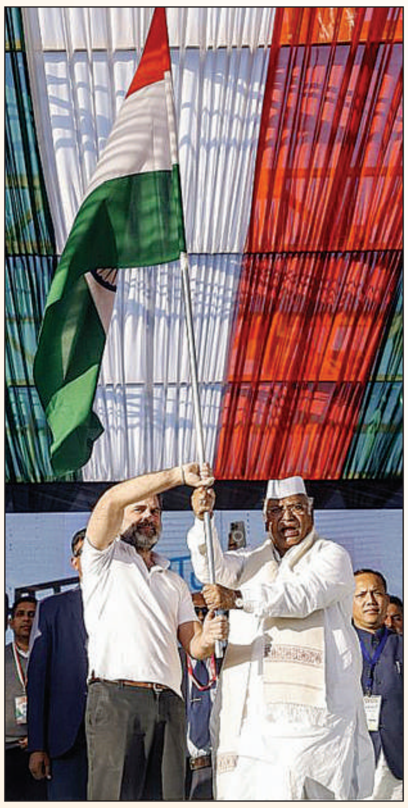

मुख में राम, बगल में छूरी : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने चुनावी फायदे के लिए धर्म का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। विपक्षी पार्टी के नेता ने कहा कि किसी को भी वोट के लिए ढोंगबाजी नहीं करनी चाहिए। खरगे ने कहा, (पीएम) मोदी मणिपुर में वोट मांगने आते हैं। लेकिन, जब लोग परेशानी में होते हैं तो यहां नहीं आते हैं। मणिपुर में पिछले साल तीन मई को हिंसा भड़की थी। जिसके बाद 180 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। हजारों लोग बेघर हो गए थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने एक हिंदी मुहावरे का जिक्र करते हुए कहा, वो (पीएम मोदी) समंदर के ऊपर सैर करते फिरते हैं और राम-राम राम-राम का जाप करते है। मुख में राम-बगल में छुरी। लोगों के साथ ऐसा मत करिए। इस मुहावरे का इस्तेमाल ऐसे व्यक्ति के लिए किया जाता है, जिसके शब्द और काम अलग-अलग होते हैं। उन्होंने कहा, हर कोई भगवान में आस्था रखता है। भगवान को याद करता है। इसमें कोई शक नहीं है। लेकिन, वोट के लिए ऐसा मत कीजिए। वोट पाने के लिए किसी तरह की ढोंगबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, इंसान को अपने सिद्धांतों के लिए लड़ना चाहिए। खरगे ने कहा, हम धर्मनिरपेक्षता, समानता, सामाजिक न्याय और संविधान को बचाने के लिए लड़ते हैं। आप भी ऐसा करें। ये (भाजपा) लोग धर्म को राजनीति से मिलाते हैं। लोगों को भड़काते हैं।

यात्रा का उद्देश्य भारत को एकजुट करना है या इसे विभाजित करना : रिजिजू

केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि यात्रा का उद्देश्य भारत को एकजुट करना है या इसे विभाजित करना। राहुल गांधी पूर्वोत्तर जा रहे हैं। विद्रोही संगठनों के समर्थन करने के लिए क्या राहुल गांधी ने माफी मांगी है, जो पूर्वोत्तर को देश से अलग करना चाहते हैं।

यात्रा से नेताओं का बढ़ेगा मनोबल : खुर्शीद

यात्रा पर कांग्रेस के दिग्गज नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि यात्रा जारी रहेगी। यात्रा पार्टी नेताओं के मनोबल को प्रभावित करेगी। सब कुछ बहुत अच्छे से हो रहा है।

लोस चुनाव में बीजेपी की सीटें होंगी कम : थरूर

कांग्रेस नेता शशि थरूर का चुनावों को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। थरूर ने कहा कि इस चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी। थरूर ने कहा कि भाजपा सबसे ज्यादा सीटें तो लाएगी, लेकिन पहले के मुकाबले इसकी सीटें गिरेंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के संभावित सहयोगी अब समर्थन देने को तैयार नहीं होंगे और इसके बजाय विपक्षी गठबंधन का समर्थन कर सकते हैं। केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) में बोलते हुए थरूर ने कहा कि मुझे अब भी उम्मीद है कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी, लेकिन मेरा मानना है कि उनकी संख्या इतनी कम हो जाएगी की सरकार न बन सके। थरूर ने कहा कि कांग्रेस को उम्मीद है कि वो अधिक से अधिक राज्यों में विभिन्न दलों से समझौते कर लेगी, ताकि हार से बचा जा सके। कांग्रेस नेता ने कहा कि इंडी गठबंधन के सीट-बंटवारे का पैटर्न अलग-अलग राज्यों में अलग होगा। उन्होंने दो पड़ोसी राज्यों, केरल और तमिलनाडु का उदाहरण दिया।

आज राम के दरबार में यूपी कांग्रेस टेकेगी माथा

» देश की खुशहाली के लिए करेंगे प्रार्थना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस के दिग्गज नेता सोमवार को राम नगरी अयोध्या में भगवान राम केदर्शन व पूजन करेंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय, प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय सहित अन्य नेता सोमवार सुबह नौ बजे प्रदेश मुख्यालय से अयोध्या के लिए रवाना होंगे। वे अयोध्या में सरयू स्नान के बाद दर्शन पूजन करेंगे। इससे पूर्व रविवार को प्रदेश के सभी जिलों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में मशाल जुलूस निकाला गया।

इसके जरिए सामाजिक सदभाव, देश एवं संविधान की रक्षा का संकल्प

लिया। साथ ही ध्वस्त कानून व्यवस्था, बढ़ती बेरोजगारी, महिला उत्पीड़न, किसानों तथा युवाओं की समस्याओं को लेकर नाराजगी जताई। कांग्रेस के भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाली जा रही है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर हर जिले में शाम छह बजे न्याय मशाल यात्रा निकाली गई। लखनऊ में पार्टी मुख्यालय से निकली यात्रा उदयगंज, बर्लिंगटन चौराहा, कैसरबाग चौराहा होते हुए झंडे वाला पार्क अमीनाबाद पहुंची।

किसी पार्टी से नहीं करेंगे गठबंधन : मायावती

» 68वें जन्मदिन पर योगी, अखिलेश समेत सभी ने दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज बसपा सुप्रीमो मायावती का जन्मदिन है। इस अवसर पर बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मायावती ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेंगे। 2024 चुनाव में बसपा किसी से गठबंधन नहीं करेंगी। लोकसभा चुनाव अकेले लड़कर बेहतर रिजल्ट लाएंगे। गठबंधन में चुनाव से हमारी पार्टी को नुकसान होता है। गठबंधन से बसपा को फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है। हमारी पार्टी को धांधली की वजह से नुकसान ज्यादा होता है। वहीं उनकी जन्मदिन पर सीएम योगी व सपा मुखिया अखिलेश ने शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि सवर्ण वोट बसपा पर ट्रांसफर नहीं होते। इसलिए बसपा किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। सांप्रदायिक

सोच वाली पार्टी से दूरी रखेंगे। अधिकांश दलों की मानसिकता जातिवादी। उन्होंने कहा कि हर चुनाव में ईवीएम में धांधली हो रही है। ईवीएम के विरोध में बहुत आवाज उठी। देश में निष्पक्ष चुनाव होना चाहिए। हमने अपनी सरकार में लोगों को सम्मान और स्वाभिमान ऊंचा करने का अवसर भी दिया, लेकिन वर्तमान में यह होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। केंद्र और राज्य सरकार धर्म और संस्कृति की आड़ में राजनीति कर रही है। इससे लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। इस दौरान मायावती ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा।

राशन देकर गुलाम बनाया जा रहा

मायावती ने भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि लोगों को फ्री राशन का झांसा दिया। राशन देकर गुलाम बनाया जा रहा है। मायावती ने कहा कि यूपी में हमारी योजनाओं की नकल की जा रही है। धर्म की आड़ में राजनीति की जा रही है। मायावती ने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश में अपनी चार बार की सरकार में सभी वर्गों के लिए काम किया था। अल्पसंख्यक, मुस्लिम, गरीब, किसान और मेहनतकश लोगों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई थीं। इन योजनाओं को सरकारें नाम और स्वरूप बदल कर अपना बनाने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन जातिवादी होने की वजह से यह काम नहीं हो पा रहा है। मायावती ने हमला करते हुए कहा कि लोगों को रोजगार देने के बजाय फ्री में थोड़ा सा राशन देकर अपना मोहताज बनाया जा रहा है, जबकि हमने अपनी सरकार के दौरान वर्तमान सरकारों के जैसे लोगों को अपना मोहताज नहीं, बनाया बल्कि सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्रों में रोजगार के साधन उपलब्ध कराए।

इंडिया गठबंधन की जीत के लिए पूरी ताकत लगाएंगे : अखिलेश

» बोले- आपस में कोई मतभेद नहीं

» मकर संक्रांति और लोहड़ी की दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वर्चुअल बैठक में शामिल न होने पाने के सवाल पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि पूरा इंडिया गठबंधन एकजुट है और वह अपने प्रत्याशी को लोक सभा चुनाव में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। गौरतलब हो कि अखिलेश यादव शनिवार को इंडिया गठबंधन की वर्चुअल मीटिंग में शामिल नहीं हुए थे। उनके साथ ममता बनर्जी भी शामिल नहीं हुई थीं। इसके बाद इंडिया गठबंधन में मनमुटाव की बातें मीडिया में चलनी शुरू हो गई थीं। अखिलेश ने इसे साफ किया है।

उन्होंने कहा कि प्रत्याशी चाहे जिस दल का हो इंडिया गठबंधन का हिस्सा बन जाने के बाद उसे पूरी एकजुटता के साथ जिताएंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव चुनौतीपूर्ण साबित होने वाले हैं। इन चुनावों के साथ ऐसे मुद्दे जुड़े हैं, जिनका लंबे समय तक असर होना है। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर भाजपा-एनडीए को शिकस्त देने के लिए पीडीए व इंडिया गठबंधन को मजबूती देने के लिए संकल्पित है। पीडीए-इंडिया गठबंधन का जो भी प्रत्याशी घोषित हो, उसे पूरी एकजुटता से जिताएंगे। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि लोकतंत्र और संविधान पर खतरा मंडरा रहा है। महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी चरम पर है। महिलाओं और बच्चियों की जिंदगी रोज-ब-रोज असुरक्षित होती जा रही है। भाजपा इन गंभीर सवालों से किनारा कर जनता को भटकाना चाहती है। भाजपा की नफरती राजनीति का मुकाबला समाजवादी विचारधारा से ही हो सकता है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मकर संक्रान्ति, लोहिड़ी, बिहू और पोंगल पर्व पर बधाई देते हुए सभी देशवासियों के सुख और समृद्धि की कामना की है। कहा कि ये पर्व सामूहिक रूप से परस्पर सहयोग और सौहार्द के साथ मनाए जाते हैं। मकर संक्रान्ति पर्व धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक चेतना को पुष्ट करता है।

भाजपा सरकार में पिछड़ गया उप्र

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को पिछड़ा राज्य बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। महिलाओं के प्रति अपराध व पुलिस हिरासत में लोगों की मौतों के मामले में उप्र नंबर एक पर है। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा ने 'नमामि गंगा प्रोजेक्ट के नाम पर करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार किया है। गंगा आज तक निर्मल नहीं हो पाई। सपा सरकार में गोमती नदी की सफाई और सुंदरीकरण की योजना पर काम किया गया था। गोमती रिवरफ्रंट आज भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।लखनऊ में जनेश्वर मिश्र और लोहिया पार्क आक्सीजन का मुख्य केंद्र बने हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बरेली में लोक निर्माण विभाग के अफसरों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एक टूटी सड़क का लोकार्पण करा दिया। स्मार्टसिटी का दावा कूड़े-कचरे की गारंटी में बदल गया है। स्वच्छता के मामले में स्मार्ट सिटी के मानकों पर राजधानी लखनऊ इस बार कई पायदान नीचे खिसक गया है। बरेली में हर गली, सड़क पर गंदगी और कचरे का अंबार है। महिलाओं के लिए बनाए गए पिंक शौचालय बदहाल हैं।

हम अपने ही नहीं अन्य देशों के सैनिकों का भी करते हैं सम्मान : राजनाथ

» बोले- हम पाकिस्तान के साथ जैसा चाहे वैसा बर्ताव कर सकते थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। भारतीय सैनिकों की बहादुरी और मानवता का न केवल देश में बल्कि पूरे विश्व में सम्मान और पहचान है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में हमारे सैनिकों की बहादुरी को दुनिया भर में सम्मान के साथ याद किया जाता है। हम भारतीय भी न सिर्फ अपने देश के सैनिकों का बल्कि दूसरे देशों के सैनिकों का भी सम्मान करते हैं। दुनिया भारतीय सेना का मानवीय चेहरा पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध में देख चुकी है। ये बातें वायु सेना स्टेशन चकेरी में आयोजित आठवें सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस समारोह 2024 में मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहीं।उन्होंने कहा कि वर्ष 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के 90 हजार से ज्यादा सैनिकों ने भारत के सामने आत्मसमर्पण किया था।

हम उनके साथ जैसा चाहते, वैसा व्यवहार कर सकते थे लेकिन हमारी संस्कृति और परंपरा ऐसी है कि हमने मानवीय नजरिया अपनाया और उन्हें पूरे सम्मान के साथ उनके देश वापस भेजा। दुश्मन देश सैनिकों के साथ ऐसा व्यवहार मानवता के सुनहरे अध्यायों में से एक है। हर भारतीय के दिल में सैनिक एक विशेष स्थान रखते हैं। हमारे सैनिक परिवार, जाति और संप्रदाय से ऊपर उठकर केवल राष्ट्र के बारे में सोच रखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए वन रैंक वन पेंशन योजना को लागू करने से लेकर स्वास्थ्य देखभाल और पुनः रोजगार देने तक अन्य कल्याणकारी योजनाओं पर कार्य कर रही है।

विदेश मंत्रालय को भी सीएम शिंदे ने अनदेखा किया: आदित्य ठाकरे

» बोले- पति-पत्नी और बच्चों समेत 70 लोगों को ले जा रहे दावोस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के स्विट्जरलैंड दौरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बिना विदेश मंत्रालय की अनुमति के पचास से ज्यादा लोगों को दावोस ले जा रहे हैं। आदित्य ने दावा किया कि सिर्फ दस लोगों को ले जाने की मंजूरी मांगी गई थी। जबकि, सत्तर लोगों को ले जाया जा रहा है। इनमें पति, पत्नी और बच्चे तक शामिल हैं। मानों छुट्टियां मनाने जा रहे हों। उन्होंने विदेश मंत्रालय से पूछा कि क्या वह उसे इसकी खबर है।

दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 15 से 19 जनवरी तक होनी है। शिंदे ने घोषणा की थी कि उनके साथ एक प्रतिनिधिमंडल को अपने साथ दावोस का दौरा करेंगे और राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसमें मुख्यमंत्री के साथ उद्योग मंत्री उदय सामंत और दस सदस्यीय के भाग लेने की सूचना है। ठाकरे ने कहा, पति-पत्नी और बच्चों को ऐसे ले जाया जा रहा है, जैसे छुट्टी मनाने जा रहे हों। उन्होंने कहा, बताया जा रहा है कि केवल दस लोगों ने ही एक प्रतिनिधिमंडल के रूप में एमईए से जरूरी मंजूरी मांगी है। बाकी को इस यात्रा के लिए मंत्रालय की अनुमति के लिए आवेदन किए बिना ही ले जाया जा रहा है। उन्होंने मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस से शिंदे गुट की शिवसेना में शामिल होने पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि क्या वह भी शिंदे के दावोस दौरे में प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। मिलिंद ने दावोस जाने की अटकलों पर कहा कि वह इतनी ताकत रखते हैं कि खुद की हैसियत से दावोस का दौरा करें, न कि शिंदे के प्रतिनिधिमंडल के साथ।

राणे को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें पीएम : उद्धव

» शंकराचार्यों की टिप्पणी पर जताई नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) ने हिंदू धर्म में शंकराचार्यों के योगदान पर सवाल उठाने के लिए केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को नरेंद्र मोदी कैबिनेट से बर्खास्त करने की मांग की है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने राणे की टिप्पणियों पर अयोध्या में राम मंदिर की प्रतिष्ठा (प्राण प्रतिष्ठा) से पहले भाजपा से सार्वजनिक माफी की भी मांग की। शिवसेना (यूबीटी) ने हिंदू धर्म में शंकराचार्यों के योगदान पर सवाल उठाने के लिए केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को नरेंद्र मोदी कैबिनेट से बर्खास्त करने की मांग की है।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने राणे की टिप्पणियों पर अयोध्या में राम मंदिर की प्रतिष्ठा (प्राण प्रतिष्ठा) से पहले भाजपा से सार्वजनिक माफी की भी मांग की। शिवसेना (यूबीटी) की सहयोगी कांग्रेस ने रविवार को राणे के खिलाफ मुंबई में पार्टी कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। शनिवार को पालघर में पत्रकारों से बात करते हुए राणे ने कहा कि शंकराचार्यों को कुछ पहलुओं की आलोचना करने के बजाय राम मंदिर को आशीर्वाद देना चाहिए और उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को राजनीतिक चश्मे से देखने का आरोप लगाया।

राणे की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देना भाजपा का काम : सुले

एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा कि राणे की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देना भाजपा का काम है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि राणे ने शंकराचार्यों के योगदान पर सवाल उठाकर हिंदू धर्म का अपमान किया है। राउत ने कहा, बीजेपी को 22 जनवरी (जब अयोध्या में राम मंदिर का मूर्ति प्रतिष्ठा समारोह होगा) से पहले माफी मांगनी चाहिए। हम मांग करते हैं कि पीएम मोदी राणे को केंद्रीय मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें। विपक्षी दल कर्नाटक में श्री श्रृंगेरी शारदा पीठ, गुजरात में द्वारका शारदा पीठ, उत्तराखंड में ज्योतिर पीठ और ओडिशा में गोवर्धन पीठ के शंकराचार्यों द्वारा प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने का निर्णय लेने की खबरों पर भाजपा पर निशाना साध रहे हैं। ज्योतिर्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कथित तौर पर कहा था कि इस स्तर पर प्रतिष्ठा समारोह करना सही नहीं होगा क्योंकि निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है।

नाली, गली, जाति-धर्म के नाम पर वोट न दें : प्रशांत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बछवाड़ा (बेगूसराय)। बछवाड़ा प्रखंड क्षेत्र के अयोध्या टोल ठाकुरबाड़ी मैदान में जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने पदयात्रा के दौरान लोगों से संवाद की। उन्होंने कहा कि आपके वोट में बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि आप अपने वोट को नाली-गली, जाति पार्टी के आधार पर बर्बाद मत कीजिए। वोट का सदुपयोग कीजिए।

उन्होंने ने कहा कि आपके घर के जवान बच्चे जीवन भर रोजी-रोटी के लिए दूसरे राज्यों में रहते हैं। छठ, ईद, दिवाली, होली के मौके पर भी घर आने की शायद ही उन्हें छुट्टी मिलती है। उन्होंने कहा कि वह ये पदयात्रा कर रहे हैं, पैदल-पैदल गांव-गांव में जाकर लोगों को एक ही बात बता रहे हैं। अभी से भी जागिये, अपने लिए नहीं, तो कम से कम अपने बच्चों के लिए। प्रशांत किशोर ने कहा कि अपने बच्चों के लिए, शिक्षा एवं रोजगार के लिए वोट दीजिए। उन्होंने कहा कि नाली, गली, जाति-धर्म के नाम पर वोट करते रहिएगा तो एक प्रशांत किशोर आएं या 10, जिस गरीबी बदहाली में आपकी जिंदगी बीती है, उसी गरीबी बदहाली में आपके बच्चों को भी जीना पड़ेगा।

इंडिया गठबंधन में बिहार करेगा चमत्कार!

सीट बंटवारे को लेकर नहीं बना पा रही बात

» नीतीश कुमार की भूमिका पर संशय
» राजद, कांग्रेस व वाम पार्टियां असमंजस में
» जदयू की पॉलिटिक्स की साख है दांव पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोक सभा चुनाव-24 की मंजिल का रास्ता यूपी के साथ-साथ बिहार से भी जाता है। दोनों जगह जहां बीजेपी जमीनी स्तर पर जुट गई है। वहीं दोनों राज्यों में इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर बात नहीं बना पा रही है। हालांकि यूपी में सबसे बड़े विपक्षी दल सपा ने अपने दिग्गज नेता रामगोपाल को सीटों के मामले में बातचीत करने के लिए अधिकृत कर दिया है। पर इस समय इंडिया गठबंधन में बिहार व बंगाल पर बात नहीं बन पा रही है। शनिवार को हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में ममता शामिल नहीं हुई। जबकि नीतीश कुमार ने एलांयस का संयोजक बनने से मना कर दिया। ऐसे में सियासी गलियों में चर्चा आम हो रही है कि गठबंधन में सब ठीक नहीं है और आने वाले चुनावों से पहले सबकुछ दुरुस्त हो जाएगा इस पर भी संदेह हो गया है।

इन सब विवादों के बीच इंडिया के लोगों का दावा है कि सब चुनावों से पहले ठीक हो जाएगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन का संयोजक बनने से इनकार कर दिया। गठबंधन की शनिवार को हुई वर्चुअल बैठक में उन्हें संयोजक बनाने का प्रस्ताव लाया गया था. इसे उन्होंने ठुकरा दिया। दरअसल, लोकसभा चुनाव में बीजेपी के मुकाबले के लिए बने 28 दलों के गठबंधन की शनिवार को अहम बैठक हुई। इस वर्चुअल बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, एनसीपी चीफ शरद पवार, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता सीताराम येचुरी, तमिलनाडु के सीएम और डीएमके चीफ स्टालिन समेत 14 दलों के नेता शामिल हुए. बैठक में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और शिवसेना (उद्धव गुट) चीफ उद्धव ठाकरे शामिल नहीं हुए. सीट शेयरिंग, गठबंधन का संयोजक बनाने समेत तमाम मुद्दों पर बातचीत के लिए इंडिया गठबंधन की शनिवार को बैठक बुलाई गई थी। ममता बनर्जी ने इस बैठक में शामिल नहीं हुईं। उनकी ओर से कहा गया था कि उन्हें बैठक की जानकारी देर से मिली और उनके पहले से कई कार्यक्रम तय हैं। ऐसे में वे विपक्षी गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होंगी। इसके अलावा महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे भी वर्चुअली बैठक में नहीं जुड़े।

दरअसल, जिस उत्साह के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा के विरुद्ध एक मुहिम तैयार की, वो इंडिया गठबंधन की पहली बैठक से ही तार-तार होते दिखी। ये दीगर कि जदयू के रणनीतिकारों ने एक बड़े गोल को ध्यान में रख कर चार बैठकों तक सम्मानजनक भूमिका का इंतजार किया। मगर, इंडिया गठबंधन की तमाम बैठकों में जदयू नेतृत्व को निराशा ही हाथ लगी है। जहां तक नीतीश कुमार की राजनीति का सवाल है तो वे लोकतंत्र में साख की राजनीति करते हैं संख्या की नहीं। यही वजह भी है कि इस साख की खातिर जदयू के तमाम नेताओं ने अपने-अपने तरीके से इंडिया गठबंधन के शीर्ष नेताओं तक अपनी बात पहुंचा दी है। गठबंधन की राजनीति के मास्टरमाइंड माने जाने वाले नीतीश कुमार कभी भी अपने ऊपर दबाव की राजनीति को हावी होने नहीं देते। भाजपा के साथ रह कर भी वे किसी दबाव से मुक्त रह कर तब भी मुख्यमंत्री बने, जब भाजपा बड़े भाई की भूमिका में आ गई। नीतीश नीत सरकार में जब भाजपा सरकार में थी तो हर आए दिन बीजेपी के मंत्री ये कहते रहे कि अधिकारी उनकी नहीं सुनते। बहुत कुछ ऐसा ही व्यवहार राजद के साथ भी रखा। ऐसे कई मौके आए जब राजद के मंत्रियों के किए गए निर्णय को खारिज किया। इन सबके बीच इंडिया गठबंधन में नीतीश कुमार के राजनीतिक तेवर को शुरू से ही कमतर करने की रणनीति पर काम हुआ। इस काम में कांग्रेस अकेले नहीं, कई मोर्चे पर राजद, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी भी रही। नीतीश कुमार जिस तरह से इंडिया गठबंधन को गाइड करना चाहते थे, वो नहीं हो पाया। न संयोजक बनाया, न सीट शेयरिंग पर बात की। चार बैठक के बाद भी कॉमन मेनिफेस्टो नहीं बना और न ही संयुक्त रैली के कार्यक्रम ही तय हुए।

जदयू सीट बंटवारे की देरी पर होती रही है नाराज

राजनीतिक गलियारों में जदयू के शीर्ष नेताओं के बयानों को सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध नहीं मानते। राज्य के वित मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा मंत्री विजेंद्र यादव, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी, मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने सीट बंटवारे में देरी का सवाल उठाने के बहाने अपनी नाराजगी जाहिर की। ये वे लोग हैं, जो नीतीश कुमार की राजनीति को बदलाव के रास्ते उतारते रहे हैं। दो बार राजद के साथ सरकार बनाने के कारण और कर्ता भी यही रहे। इस बार फिर नीतीश कुमार के करीबी मंत्रियों के विरोध में एक नई राजनीति की बू आ रही है। आज की बैठक में अगर कुछ सकारात्मक निर्णय जदयू या नीतीश कुमार के फेवर में नहीं होता है तो इनकी राजनीति अलग धार भी पकड़ सकती है।

नीतीश सरकार के पोस्टर से तेजस्वी बाहर, राजनीति गरमाई

राजधानी पटना के गांधी मैदान में दूसरे चरण शिक्षक भर्ती नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की पूरी तैयारी हो गई है। इसको लेकर जगह-जगह पर बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए हैं। इस पोस्टर में सीएम नीतीश कुमार की तस्वीर लगी हुई है, लेकिन तेजस्वी यादव की तस्वीर नहीं लगी है। इस पर अब राजनीति शुरू हो गई है। इस पर आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने शनिवार को कहा कि होर्डिंग में भले तेजस्वी का नाम ना हो, लेकिन यह महागठबंधन और नीतीश-तेजस्वी की सरकार है। तेजस्वी यादव ने दस लाख नौकरी का वादा किया था जिसे पूरा किया जा रहा है। बता दें कि आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गांधी मैदान से दूसरी बार चयनित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र देंगे। दूसरे चरण में 96,823 शिक्षक उत्तीर्ण हुए हैं, वहीं, शिक्षा विभाग की ओर से पटना के आयकर गोलंबर पर पोस्टर लगाया गया है, इसमें सबसे ऊपर लिखा गया है रोजगार का

मतलब नीतीश सरकार। हालांकि इसमें सबसे नीचे विशिष्ट अतिथि के रूप से तेजस्वी यादव का भी नाम है, लेकिन शिक्षा मंत्री का नाम पोस्टर से गायब है। इस पर आरजेडी के कई नेता यह कह रहे हैं कि तेजस्वी यादव ने रोजगार देने का वादा किया और वह पूरा हो रहा है.। वहीं, इस पर जेडीयू नेता छोटू सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही हैं, जो कुछ विकास हो रहा है या लोगों को रोजगार मिल रहा है वह तो नीतीश कुमार कर रहे हैं कोई और तो नहीं कर रहा है तो इसमें गलत क्या लिखा हुआ है? वहीं, इसको लेकर अब बयानबाजी शुरू हो गई है।

जदयू की बिहार में 17 सीटों पर नजर

इधर, वामदल के मांग पर जदयू के वरीय नेता भीष्म सहनी ने कहा कि हमलोग किसी भी हालत में अपनी सीट नहीं छोड़ेंगे। वामदल राजद से शीट शेयरिंग के मामले पर बात करें। हमलोगें 17 सीटों की मांग कर रहे हैं। यह वाजिब मांग है। इन सीटों पर जदयू ने लोकसभा 2019 का चुनाव जीता था। इसलिए इन सीट पर हमारा हक है। इसमें कहीं कोई संशय नहीं है कि हमलोग इस बार भी इन सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। भीष्म सहनी ने कहा कि 20 जनवरी को सभी सीट का फॉर्मूला सामने आएगा। इससे पहले जदयू के विधायक और बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने सोशल मीडिया पर कहा था कि इंडिया गठबंधन में जदयू के 17 सीटों के दावों का आधार भी है। पिछले लोकसभा चुनाव में जदयू पार्टी ने 16 सीटों पर जीत हासिल की थी, कुल मिलाकर 17 सीटों पर हमलोग लड़े थे।

बंगाल में भाजपा के साथ कांग्रेस का भी टीएमसी पर हमला

वहीं इस पर पश्चिम बंगाल भाजपा के नेता दीलीप घोष ने शनिवार को कहा कि इंडी गठबंधन सिर्फ बैठक करता है, कुछ काम नहीं करता। इससे कुछ नहीं होगा और जल्द ही यह गठबंधन टूट जाएगा। बता दें कि इंडी गठबंधन इन दिनों बंगाल में ही मुश्किलें झेल रहा है जहां कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने गठबंधन पार्टी टीएमसी को भी ईडी अधिकारियों पर हमले के लिए जनता के बीच में ब्लेम किया। छह जनवरी को अधीर रंजन चौधरी ने कहा, भारत में कहीं भी ऐसा कुछ नहीं हुआ है जैसा संदेशखाली में हुआ। गुंडों की इस वक्त कितनी हिम्मत बढ़ गई है, ये उसका उदाहरण था। यह घटना दिखाती है कि पुलिस और शासन कर रही पार्टी के बीच कैसा रिश्ता है। वहीं भारतीय गठबंधन की बैठक पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय का कहना है कि, हर कोई जानता है कि यह घमंडिया गठबंधन है। गठबंधन केवल तुष्टीकरण करता है। उन्हें देश या देश के विकास की कोई चिंता नहीं है, जनता चाहती है कि पीएम नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनें।

बिहार में सीटों को लेकर वामदल भी ठिठके

बिहार में लोकसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में शीट शेयरिंग को लेकर सियासित जारी है। सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड अब भी अपनी 17 सीटों की मांग पर अड़ी हुई है। वहीं अब इस मामले में वाम दल की ओर भी प्रतिक्रिया आई है। वाम दल ने जदयू की 17 सीटों की मांग पर ऐतराज जताया है। उनका कहना है कि बिहार में 17 लोकसभा सीट पर जदयू का कोई हक नहीं बनता है। वहीं डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सीट शेयरिंग के सवाल पर कहा कि गठबंधन के बड़े नेता इसपर तय करेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मीडिया को जानकारी देकर सीट का बंटवारा नहीं होता है। वामदल के विधायक रामबली सिंह यादव ने इस मामले में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जदयू का 17 लोकसभा सीट पर कोई हक नहीं बनता है। हमलोगों की स्थिति काराकाट, आरा, पाटलिपुत्र और जहानाबाद में काफी मजबूत है। हमलोगों की मांग है कि आगामी लोकसभा चुनाव में हमें यह सीटें चाहिए। बता दें कि जहानाबाद और काराकाट सीट पर जदयू का कब्जा है। काराकाट सीट पर जदयू के महाबली सिंह सांसद हैं। वहीं जहानाबाद सीट पर जदयू के चंदेश्वर चंद्रवंशी सांसद हैं। वामदल के इस मांग के बाद महागठबंधन के अंदर सियासी घमासान मच गया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

वर्तमान पीढ़ी बुजुर्गों व बड़ों का सम्मान करे

"भारत एक मूल्यों व परंपराओं को मानने वाला देश है। अगर ऐसी घटनाएं घट रही हैं तो सामजिक संगठनों, परिवारों व समाज को इस ओर ध्यान देना आवश्यक है। मानव जीवन के तीन पड़ाव है। बचपन, जवानी, और बुढ़ापा। व्यक्ति जवानी के जोश में भूल जाता है कि वह खुद भी वृद्धावस्था के पड़ाव से गुजरेगा। तब उसके भी मदद की जरूरत पड़ेगी।

भारत में जैसे-जैसे भौतिक उन्नति हो रही है सामाजिक व्यवस्था भी चरमरा रही है। कई खबरें ऐसी सुनाई दे जाती है जिसमें मानवता शर्मसार हो जाती है। भारत में कई सालों से बुजुर्ग माता-पिता के साथ बच्चों द्वारा दुर्व्यवहार करना आम बात हो गई है। पर ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। भारत एक मूल्यों व परंपराओं को मानने वाला देश है। अगर ऐसी घटनाएं घट रही हैं तो सामजिक संगठनों, परिवारों व समाज को इस ओर ध्यान देना आवश्यक है। मानव जीवन के तीन पड़ाव है। बचपन, जवानी, और बुढ़ापा। व्यक्ति जवानी के जोश में भूल जाता है कि वह खुद भी वृद्धावस्था के पड़ाव से गुजरेगा। तब उसके भी मदद की जरूरत पड़ेगी। यदि वह अपने घर के बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार करेगा, तो उसके साथ भी वैसा ही व्यवहार होगा। वृद्धजनों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाना चाहिए। संयुक्त परिवारों के टूटने से बुजुर्गों की मुश्किलें बढ़ी हैं। साथ ही पति और पत्नी दोनों के काम करने से पारिवारिक रिश्तों में भावनात्मक कमी आई है। बुजुर्गों के साथ हो रहे अमानवीय कृत्य व वृद्धा आश्रम में बढ़ती संख्या इस के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

बुजुर्ग माता-पिता के साथ सद्भावना पूर्ण व्यवहार कर अपने बच्चों में अच्छे संस्कार डाले जा सकते हैं। ध्यान रहे जैसा करोगे, वैसा भरोगे। नौकरी-व्यवसाय में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और एकाकी परिवारों के कारण जीवन में असुरक्षा का भाव उत्पन्न होने लगा है। इससे बुजुर्गों की देखभाल भी प्रभावित हो रही है और उनकी उपेक्षा भी हो रही है। यही उपेक्षा दुर्व्यवहार का रूप ले लेती है। बुजुर्गों की देखभाल अपने बच्चों की तरह करें। हम भूल जाते हैं कि बुजुर्गों के साथ हम जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, वैसा ही हमारे साथ होगा। आजकल वे बुजुर्ग भी अपने आपको असुरक्षित पाते हैं, जिनके पास धन-संपत्ति है। लालच के कारण परिजन ही उनके दुश्मन बन जाते हैं। इसलिए बच्चों के लिए धन-संपत्ति जोड़ने की बजाय उनको संस्कार दें। बच्चों को संस्कारित करने पर ध्यान दें। उन्हें बताना होगा कि बुजुर्गों की वजह से ही हम आज हैं।अगर आज हम बुजुर्गों का अपमान करते हैं तो कल हमें भी अपमान सहना होगा। समाज का एक सच यह है कि जो आज जवान है उसे कल बूढ़ा भी होना होगा और इस सच से कोई नहीं बच सकता। बुजुर्ग हमारी अमूल्य विरासत है, उनका सम्मान करना होगा। बुजुर्ग समाज और देश की धरोहर हैं, उनका सम्मान होना चाहिए। इसके लिए बच्चों में सेवा भाव जगाना होगा। कहावत है बूढ़ा बरगद भी छांव तो देता ही है। घर-परिवार के बुजुर्ग भी ऐसे ही होते हैं, सदैव स्नेह की छांव देने वाले। नई पीढ़ी बुजुर्गों के प्रति सेवा भाव रखे। सम्मानजनक व्यवहार करे। उनके साथ कुछ समय बिताए एवं इसके लिए अन्य लोगों को भी प्रेरित करने का संकल्प लें। बचपन से ही बालक-बालिकाओं को नैतिक मूल्यों की सीख देने के साथ ही यदि अभिभावक तदनुरूप व्यवहार करें तो बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार नहीं होगा। वर्तमान पीढ़ी बुजुर्गों के स्थान पर स्वयं को रखे और उनके साथ अच्छा व्यवहार करे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चीन के मुकाबले को रणनीतिक तैयारी

डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

थल सेनाध्यक्ष की टिप्पणी कि चीन सीमा के पास हालात स्थिर हैं पर संवेदनशील हैं, गहरे निहितार्थ लिए हुए है। यह हकीकत है कि चीन की सीमा पर उसके साथ पिछले वर्ष जो तनाव शुरू हुआ था वह अभी तक समाप्त नहीं हुआ है। अब चीन सीमा के नजदीक भारतीय सेना पूरे वर्ष मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार रहेगी। रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण सेला टनल के तैयार हो जाने से भारतीय सेना के जवानों की पहुंच हर मौसम में चीन सीमा तक बनी रहेगी। यह टनल चीन सीमा तक पहुंचने के लिए प्राकृतिक रास्ते सेला दर्रे से 4200 मीटर तक खुदाई करके बनाई गई है। सेला दर्रा जहां कुछ माह बर्फ से ढके रहने के कारण बंद रहता है वहीं सेला टनल पूरे वर्ष आवागमन के लिए खुली रहेगी। इस टनल की मदद से भारतीय सेना पूरे वर्ष आसानी से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों एवं हथियारों की तैनाती कर सकेगी। इसके अलावा यह टनल चीन के सीमावर्ती इलाके से अरुणाचल प्रदेश और देश के बाकी हिस्से को पूरे वर्ष जोड़े रखेगी। दरअसल, इस सुरंग का शिलान्यास 1 अप्रैल, 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। अब इसका काम पूरा होने वाला है और अब प्रधानमंत्री कभी भी इसे देश को समर्पित कर सकते हैं।

चीन ने पैंगांग झील के उत्तरी हिस्से में अपनी सेनाएं तैनात कर रखी हैं। ऐसे में भारतीय सेना अपने नियंत्रण वाले ऊंचाइयों के स्थानों को छोड़ने के पक्ष में बिल्कुल नहीं है। चीन सीमा पर भयंकर सर्दी पड़ने के कारण मौसम खराब रहता है इसके बावजूद सेना ने वहां पर जमे रहने की अपनी पूरी तैयारी कर रखी है। ऐसे में चीन सीमा पर बराबर लम्बे समय तक डटे रहने और सर्दी से बचने के उपायों की तैयारी पूरी कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों की सेनाओं के कमांडरों के बीच कई दौर की वार्ता बेनतीजा रही है। ऐसे में एलएसी पर तैनाती बनाए रखना आवश्यक है क्योंकि चीन ने अरुणाचल प्रदेश से लद्दाख तक, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखण्ड से सटी अंतर्राष्ट्रीय सीमा तक अपनी सैन्य तैयारी बढ़ा रखी है।

इस बार जब पंद्रह जनवरी को देश सेना दिवस मनाएगा, तो सेना नये आत्मविश्वास से भरी होगी। सेना के आधुनिकीकरण के तमाम उपायों को मूर्त रूप दिया गया है। चालू वर्ष में भारतीय सेना हल्की बुलेटप्रूफ जैकेट से लैस हो जाएगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने दुनिया की पहली बीआईएस लेबल 5 एवं बीआईएस लेबल 6 की सबसे हल्की एवं मजबूत मेड इन इंडिया अभेद्य दो तरह की बुलेटप्रूफ जैकेट बनाने में सफलता हासिल कर ली है। फिलहाल भारतीय सेना के जवान बीआईएस लेबल 5 को 10 किलोग्राम वजन वाली विदेशी जैकेटों का प्रयोग करते हैं। नई जैकेटें वजन में हल्की होने के साथ ही साइज में अधिक चौड़ी हैं व स्नाइपर गन की 6 से 8 गोलियां झेल सकती हैं। चीन व पाकिस्तान की सीमा पर बेहतर निगरानी के लिए थल सेना के सभी कमांड केन्द्र व अन्य सेनाओं से तालमेल बनाए रखने हेतु जल्द ही नया सेटेलाइट बनाया जाएगा। इसका निर्माण इसरो द्वारा किया जाना है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने गत वर्ष न्यू स्पेस इंडिया से 2963 करोड़ रुपये का समझौता किया था। यह सैन्य उपग्रह तकरीबन पांच टन वजन का होगा। यह एक एडवांस्ड कम्यूनिकेशन सेटेलाइट होगा जो सेना के हर मिशन की सटीक जानकारी देगा और खुफिया संचार में भी मदद करेगा। यह एक प्रकार का जियोस्टेशनरी उपग्रह होगा, जिससे रियल टाइम इमेजरी हो सकेगी तथा इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस के जरिए सर्विलांस करना आसान होगा। वहीं किसी भी स्थिति में निपटने के लिए भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर की उत्तरी व पश्चिम सीमा पर स्वदेश निर्मित हाईटेक ड्रोन की तैनाती कर रखी है। चीन सीमा पर सैन्य ऑपरेशन के दौरान गोला-बारूद की आपूर्ति, मशीनगनों और राइफलों के मेंटिनेंस पर भी सेना सजग है। इन मसलों को लेकर अक्टूबर, 2023 में मध्य भारत एरिया के सैन्य मुख्यालय में 6 राज्यों के सैन्य कमांडर एवं वरिष्ठ सैन्य अधिकारी एकत्र हुए थे।

मुख्य मुद्दा गोला-बारूद के स्टॉक को तत्काल सीमा तक पहुंचाने का था। भारतीय सेना ने अपनी हवाई रक्षा क्षमता को बढ़ावा देने की दिशा में भी अपने कदम बढ़ा लिए हैं। इसके लिए सेना ने जमीन से हवा में मार करने में सक्षम मिसाइल रेजिमेंट को गठित किया है। इसे पूर्वी कमांड के क्षेत्र में स्थापित किया गया है। यह रेजिमेंट लड़ाकू विमानों, यूएवी, हेलिकॉप्टर, सुपरसोनिक मिसाइल जैसे हवाई लक्ष्यों का एक साथ सामना करने एवं हवाई सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। लद्दाख क्षेत्र में सीमा पर टैंक व सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस की तैनाती कर दी गई है। सेना की आपूर्ति व्यवस्था में कोई परेशानी न आए, इसके लिए सीमा पर बिछाई गई सड़कों के जाल ने स्थिति को बेहतर बना दिया है।

अविजीत पाठक

संवेदनशील विवेकशील पीढ़ी बनाने की जवाबदेही

मैं अक्सर महसूस करता हूं कि हमारे इर्द-गिर्द फैली नकारात्मकता हमारी सकारात्मकता एवं रचनात्मक जीवन-ऊर्जा को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। कई बार कुटिलता और निराशावाद हमारी चेतना को घेरने लगता है। हम व्यग्र हो उठते हैं, हम गुस्सैल हो जाते हैं और हम तार्किक रूप से दलील और संवाद करने की समझ खो बैठते हैं। वास्तव में, विषैली बनी संस्कृति, जो कि टूट चुके अथवा विकृत संवादों एवं संलग्न भौतिक-प्रतीकात्मक हिंसा की वजह से बुरी तरह ध्रुवीकृत हो चुके सामाजिक-राजनीतिक माहौल को दर्शाती है, शक्तिशाली रूप से व्याप्त है। गुस्सैल परम-राष्ट्रवाद और धार्मिक कट्टरवाद का जश्न मनाना, राजनीतिक दंभ जाहिर करना और सोशल मीडिया से फैलाए जाने वाले गाली-गलौज भरे नकारात्मक स्पंदनों का निरंतर प्रवाह हमें अंधेरी दुनिया में धकेल रहा है - वह संसार जिसमें स्नेह, प्रेम, सुनने-समझने की कला नदारद है।

हमारे आसपास हर कोई- टेलीविजन के न्यूज एंकरों से लेकर पड़ोसियों तक या वे लोग जो सोशल मीडिया पर प्रत्येक छोटी-बड़ी घटना पर बिना आगा-पीछा जाने त्वरित टिप्पणियां करते हैं या फिर विद्यालय-कॉलेज के प्रधानाचार्य-उपकुलपति तक- लगता है सब गुस्से से भरे, अड़ियल, 'दुश्मनों' से लड़ने, उन्हें हराने या निपटने जैसी विषैली सोच से ग्रस्त हैं। हमारे दोस्त बेगाने बन गए हैं, यहां तक कि परिवार के सदस्यों के बीच नैसर्गिक बोलचाल लगातार मुश्किल बनती जा रही है। प्रेम तो मानो एक बुरा शब्द हो और नफरत एवं गुस्सा नया सामान्य चलन, और परम-मर्दानगी दिखाने एवं आत्ममुग्धता के बीच विनम्रता तो जैसे कमजोरी की निशानी हो। सवाल यह है कि क्या इस मानसिक व्याधि, सांस्कृतिक ह्रास और अत्यंत गुस्से अथवा व्यग्रता से खुद को बचाए रखना संभव है। यही वो घड़ियां हैं जब मुझे लगने लगता है कि चुप रहना और व्याप्त माहौल पर प्रतिक्रिया न देना ही श्रेयस्कर है। तथापि, पलायनवाद कोई उत्तर नहीं है।

जो प्रश्न मुझे और कई अन्यों को सालता है कि क्या इस हिंसा एवं कुटिलता भरे युग में बने रहकर भी आशा, अक्लमंदी एवं जीवन-पुष्ट कृत्यों से अपनी सकारात्मकता को बचाए रखना संभव है। हालांकि, जैसा कि कई लोग दलील देंगे, सकारात्मक बने रहना लगातार मुश्किल होता जा रहा है, सामूहिक अक्लमंदी के लिए हमें यत्न करने की जरूरत है। और यह तभी संभव है जब हमें 'स्व:' और दुनिया के बीच संबंध से जुड़ी गतिशीलता का अहसास हो। काफी ढांचागत कमियों के बावजूद हमारी रचनात्मकता का महत्व है। व्यवस्था हमारे प्रयत्नों, हमारी नेक-नीयत योजनाओं और अर्थपूर्ण कृत्यों के बिना नहीं बदल सकती। इसलिए, भले ही यह दुनिया राजनीतिक रूप से संयोजित और ध्रुवीकृत कर दी जा चुकी है, जिसमें हमारी सोच में किसी को देखने-समझने का नजरिया केवल दो वर्गों में रखकर करना सिखा दिया गया है (हिंदू या मुसलमान, देशभक्त या देशद्रोही, आस्तिक या धर्मनिरपेक्ष नास्तिक), क्या यह संभव है कि हम इस एकांगी दृष्टिकोण के बिना बौद्धिक स्पष्टता, ऐतिहासिक खोज एवं सूक्ष्म समझदारी से चीजें देख पाएं। इस संदर्भ में, हम गांधी और टैगोर को याद करें। गांधी का बतौर हिंदू किया गया धार्मिक एवं आध्यात्मिक प्रयोग उन्हें अन्य धार्मिक संप्रदायों से राजनीतिक-आध्यात्मिक सामंजस्य बनाने से नहीं रोकता था। यह वह रचनात्मक बोध था जिसने उन्हें भेदभाव एवं घृणा की मानसिकता से परे देखना सिखाया और अहिंसा के जरिए वैकल्पिक राजनीति के बीज बोए। अपनी इस राजनीतिक एवं जीवन-शैली के जरिए गांधी धर्मनिरपेक्षता बनाम अध्यात्म के दोगलेपन से ऊपर उठ गए। सौहार्द बनाने की उनकी आध्यात्मिक खोज ने उन्हें सच्चा बहु-धार्मिक एवं बहु-सांस्कृतिक भारत बनाने को प्रेरित किया, यहां तक कि उस समय भी जब विभाजन का झटका जवाबी साम्प्रदायिक नफरत और हिंसा को सामान्य प्रतिक्रिया ठहरा रहा था। इसी प्रकार टैगोर ने भारत की परिकल्पना बतौर संस्कृति का महासागर से की थी और वे परम-राष्ट्रवाद में अंतर्निहित हिंसा की संभावना से सदैव असहज रहे। उनका साहित्यिक अथवा सांस्कृतिक कार्य इस प्रेम एवं वसुधैव-कुटुम्बकम की चाहना से उपजा। क्या इस विषैले समय में गांधी और टैगोर की पुन: खोज, उनकी रचनात्मकता से सीखना, फूट डालने वाली राजनीति में अंतर्निहित स्वार्थ से पार पाना और हमारे जख्मी हुए स्व: को फिर से ठीक करना संभव है। छोटी-छोटी चीजें भी मायने रखती हैं।

इसलिए हमें बेहतर दुनिया बनाने में अपने नन्हे लेकिन नेकनीयत प्रयासों को कमतर न समझना होगा। ई.एफ. शूमाकर के दार्शनिक शब्दों में कहें तो 'लघु किंतु सुंदर'। क्रांति के लिए जरूरी नहीं कुछ विशाल और दर्शनीय हो, ऐसा कोई जादूगर नहीं जो इसको पैदा कर सके। यह तो केवल साधारण और अर्थपूर्ण कृत्यों से होती है, जो हमें रोजमर्रा की वास्तविकता में प्रोत्साहित करे। एक अध्यापक जो बहु-सांस्कृतिक परिवेश से आए छात्रों की कक्षा में दलील, संवाद और एक-दूसरे से सीखने की संस्कृति सिखाए, एक चिकित्सक जो दंगाग्रस्त इलाके में जाए और घायलों का इलाज बिना धार्मिक पहचान देखे करे, या एक सामाजिक कार्यकर्ता जो स्कूल में विद्यार्थियों की कार्यशाला आयोजित करे और उन्हें अपनी बहु-सांस्कृतिक विरासत को याद रखना सिखाए- यह सब छोटे किंतु अर्थपूर्ण प्रयास हैं जिनका सामाजिक बदलाव लाने में योगदान बहुत बड़ा है।

शीत लहर से बचाव के लिए करें ये काम

घटते तापमान और कोल्ड वेव के रूप में सर्दी अपने प्रचंड रूप में आ चुकी है। कई लोगों के लिए शीत लहर जानलेवा भी हो सकती है। सर्दी के कहर से खुद को बचाने के लिए आप कुछ टिप्स को फॉलो कर सकते हैं जो आपको गर्म और हेल्दी रखने में मददगार साबित हो सकती हैं। बढ़ती ठंड की वजह से, लोगों की सेहत भी काफी प्रभावित हो रही है। सर्दी, जुकाम, फ्लू और निमोनिया जैसी बीमारियों का खतरा, सर्दी के मौसम में काफी बढ़ जाता है। इसके अलावा, सर्दियों में अपना ख्याल न रखने पर, हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हाई बीपी की समस्या भी हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि ठंड से आप अपनी रक्षा करें। सर्दी से बचाव करने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि सर्दी आपकी सेहत को प्रभावित न कर सके। तो आप कुछ ऐसे टिप्स अपना सकते हैं जिनकी मदद से आप सर्दियों से अपनी रक्षा कर सकते हैं।

हाइड्रेटेड रहें

सर्दियों में अक्सर प्यास कम लगने की वजह से हम पानी कम पीते हैं, जिस वजह से डीहाइड्रेशन यानी पानी की कमी हो सकती है। इसलिए कोशिश करें कि खूब पानी पीएं, ताकि आप हाइड्रेटेड रह सकें। आप चाहें तो, गर्म पानी, सूप, चाय जैसे गर्म पेय पदार्थों की मदद से खुद को हाइड्रेटेड और गर्म दोनों रख सकते हैं।

कपड़ों की लेयरिंग करें

सर्दियों में ठंड से बचने के लिए लेयरिंग काफी जरूरी होती है। हालांकि इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि लेयरिंग करते समय फैशनेबल दिखना काफी मुश्किल होता है। सर्दियों से बचाव के लिए अपनी ड्रेसिंग स्टाइल में बदलाव करें। सबसे पहली लेयर कॉटन की रखें, ताकि पसीने की वजह से कोई परेशानी न हो। इसके बाद थर्मल वेयर, स्वेटर और जैकेट आदि पहनें, ताकि बाहर का वातावरण आपके शरीर की गर्माहट को कम न कर पाए।

अपने कानों और पैरों को ढकें

कान खुले रहने की वजह से आपके शरीर की गर्माहट कम होने लगती है। ठंडी हवा भी आपके कानों के जरिए, आपके शरीर में प्रवेश कर, आपको ठंड का शिकार बना सकती है। इसके साथ ही, पैरों को गर्म रखने से आपकी बॉडी का तापमान आसानी से कम नहीं होता। इसलिए अपने कानों और पैरों को ढक कर रखें। इससे आपका शरीर गर्म रहेगा और सर्दी के प्रभाव से बचने में मदद मिलेगी।

सर्दी में बाहर कम निकलें

सर्दी से बचाव करने के लिए कोशिश करें कि आप बाहर कम से कम निकलें। इसलिए बिना किसी काम के बाहर न जाएं। स्मॉग की वजह से प्रदूषण का स्तर भी बढ़ता जा रहा है, जो आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए कोशिश करें कि बिना किसी काम के बाहर न निकलें।

मुंह ढक कर बाहर निकलें

शीत लहर की वजह से, आमतौर पर, फ्रॉस्ट बाइट होने का जोखिम रहता है। इस कारण से, आपकी त्वचा का रंग बदल सकता है और त्वचा सुन्न हो सकती है। इसलिए कोशिश करें कि बाहर निकलते समय अपने चेहरे को ढक कर रखें। इसके लिए आप चाहें तो मास्क का या स्कार्फ आदि का इस्तेमाल कर अपने चेहरे को ढक सकते हैं।

एक्सरसाइज करें

एक्सरसाइज करने से आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है और आपकी इम्यूनिटी भी मजबूत बनती है। इसलिए कोशिश करें कि आप रोज थोड़ी देर एक्सरसाइज करें। इससे आपका मूड भी बेहतर रहेगा, जो विंटर ब्लू से बचाव में मददगार है।

हंसना मना है

शशि-'ऑटोग्राफ देना कब बेहतर नहीं लगता?' विनोद-'जब पत्नी को चेक बुक पर देना पड़े।

12 साल बाद वो जेल से छूटा मैले कुचैले कपड़ों में बहुत थका हुआ घर पहुंचा। घर पहुंचते ही बीबी चिल्लाई- कहां घूम रहे थे इतनी देर? आपकी रिहाई तो 2 घंटे पहले ही हो गई थी ना? वो आदमी वापस जेल चला गया।

पत्नी- 'पहले मेरा फिगर पेप्सी की बोतल की तरह था। पति- 'वो तो अभी भी है' पत्नी खुश होकर- 'सच' पति- 'हां, पहले 300 ML की थीं। अब 2 Litre की है!'

रमेश (नौकर से)- जरा देख तो बाहर सूरज निकला या नहीं? नौकर - बाहर तो अंधेरा है। संता - अरे! टॉर्च जलाकर देख ले कामचोर।

पत्नी- सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तौलिये? पत्नी - अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे।

सास- जमाई राजा अगले जन्म में आप क्या बनोगे? जमाई- सासू मां मैं अगले जन्म में छिपकली बनूंगा। सास- छिपकली क्यूं? जमाई- क्योंकि मेरी बीवी छिपकली से बहुत डरती है।

कहानी | चींटी और टिड्डा

एक बार की बात है। गर्मी का मौसम था और एक चींटी कड़ी मेहनत से अपने लिए अनाज जुटा रही थी। दरअसल, वह सोच रही थी कि धूप तेज हो जाए, इससे पहले क्यों न अपना काम पूरा कर लिया जाय। चींटी कई दिनों से इस काम में जुटी थी। वह रोजाना खेत से उठाकर दाने अपने बिल में जमा करती थी। वहीं, पास में ही एक टिड्डा फुदक रहा था। मस्ती में वह नाच रहा था। गाने गाकर जिंदगी के मजे ले रहा था। पसीने से तरबतर चींटी अनाज ढोते-ढोते थक चुकी थी। पीठ पर अनाज लेकर बिल की तरफ जा रही थी, तभी टिड्डा फुदककर उसके सामने आ गया। बोला, प्यारी चींटी क्यों इतनी मेहनत कर रही हो। आओ मजे करें। चींटी ने टिड्डे को नजरअंदाज किया और खेत से उठाकर एक-एक दाना अपने बिल में जमा करती रही। मस्ती में डूबा टिड्डा चींटी को देखकर हंसता और मजाक उड़ाता। उछलकर उसके रास्ते में आकर कहता, प्यारी चींटी आओ मेरा गाना सुनो। कितना बढ़िया मौसम है। ठंडी हवा चल रही। सुनहरी धूप है। क्यों मेहनत करके इस खूबसूरत दिन को बर्बाद कर रही हो। टिड्डा की हरकतों से चींटी परेशान हो गई। उसने समझाते हुए कहा, सुनो टिड्डा- ठंड का मौसम कुछ दिन बाद ही आने वाला है। तब खूब बर्फ गिरेगी। कहीं भी अनाज नहीं मिलेगा। मेरी सलाह है, अपने खाने का इंतजाम कर लो। धीरे-धीरे गर्मी का मौसम खत्म हो गया। मस्ती में डूबे टिड्डे को पता ही नहीं चला कि गर्मी कब खत्म हो गई। बारिश के बाद ठंड आ गई। कोहरे और बर्फबारी की वजह से बमुश्किल सूरज के दर्शन हो रहे थे। टिड्डे ने अपने खाने के लिए बिल्कुल भी अनाज नहीं जुटाया था। हर ओर बर्फ की मोटी चादर पड़ी थी। भूख से टिड्डा तड़पने लगा। टिड्डे के पास बर्फबारी और ठंड से बचने का भी इंतजाम नहीं था। तभी उसकी नजर चींटी पर पड़ी। अपनी बिल में चींटी मजे से जमा किए हुए अनाज खा रही थी। तब टिड्डे को एहसास हुआ कि समय को बर्बाद करने का उसे फल मिल चुका है। भूख और ठंड से तड़पते टिड्डे की फिर चींटी ने मदद की। खाने के लिए उसे कुछ अनाज दिए। चींटी ने ठंड से बचने के लिए खूब घास-फूस जुटाए थे। उसी से टिड्डे को भी अपना घर बनाने के लिए कहा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: भागदौड़ अधिक रहेगी। मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

वृषभ: नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शत्रु तथा ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधानी आवश्यक है। समय की अनुकूलता है। मेहनत का फल मिलेगा।

मिथुन: उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कर्क: शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

सिंह: आय में वृद्धि होगी। अपने काम से काम रखें। लाभ के अवसर मिलेंगे। विवेक का प्रयोग करें। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा।

कन्या: नए उपक्रम प्रारंभ करने संबंधी योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

तुला: कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक: प्रसन्नता बनी रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

धनु: किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर: सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। पार्टनरों से सहयोग मिलेगा। झंझटों में न पड़ें।

कुम्भ: ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। शारीरिक कष्ट संभव है। भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। विवेक से कार्य करें।

मीन: रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। आशंका-कुशंका से बाधा होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने जान बूझकर अपनी फिल्मों में न्यूड सीन नहीं किया : जूलिया

जूलिया रॉबर्ट्स हॉलीवुड की चर्चित और सबसे पसंदीदा स्टार्स में शुमार में है। जूलिया रॉबर्ट्स ने रनवे ब्राइड, प्रिटी वुमन, नॉटिंग हिल और माई बेस्ट फ्रेंड्स वेडिंग जैसी कई कई यादगार फिल्मों में अभिनय किया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक साक्षात्कार में अपने करियर में न्यूड सीन न करने को लेकर बड़ा खुलासा किया। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर अपनी फिल्मों में कभी भी न्यूड सीन नहीं किया। यह फैसला मेरे खुद के लिए था। जूलिया रॉबर्ट्स ने एक सवाल के जवाब में कहा, मुझे लगता है कि जो चीजें मैं नहीं करना चुनती हूं वे मेरा प्रतिनिधित्व करती हैं। मुझे दूसरों की पसंद की आलोचना नहीं करना है, बल्कि मेरे लिए फिल्मों में अपने कपड़े नहीं उतारना या फिर शारीरिक रूप से कमजोर होना एक ऐसा विकल्प है जो मैं अपने खुद के लिए चुना है। लेकिन वास्तव में मैं कुछ करने के बजाय कुछ न करने का विकल्प चुन रही हूं। साक्षात्कार में जूलिया रॉबर्ट्स ने आज के दौर में युवा एक्टर्स के लिए उनकी यात्रा में आने वाली मुश्किलों को लेकर भी बात की। जूलिया ने कहा, वर्तमान समय में प्रसिद्ध होना उस समय की तुलना में कहीं अधिक अव्यवस्थित है, जब वह इस उद्योग में नई थीं। हालांकि, अब प्रसिद्ध होने के लिए बहुत सारी चीजें हैं, यह बस थका देने वाला लगता है, हो सकता है कि ये सिर्फ मेरी धारणा है। जूलिया ने आगे कहा कि आप नौकरी पाने की कोशिश करते हैं और जब आपको नौकरी मिलती है तो आप अच्छा काम करने की कोशिश करते हैं। इस दौरान आप कुछ नए लोगों से मिलते हैं, जो कुछ अन्य लोगों को आपका सुझाव दे सकते हैं और फिर आपको दूसरी नौकरी मिल सकती है। उस काम के लिए आपको थोड़ा अधिक भुगतान मिल सकता है। इसने इस तरह की संरचनात्मक समझ पैदा की है, जो अधिक अराजक लगता है।

एकेडमी लाइब्रेरी में शामिल हुई

मनोज बाजपेयी की 'जोरम'

देवाशीष मखीजा के निर्देशन में बनी और मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म जोरम ने सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल की। हालांकि, यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी, जिसके कारण अभिनेता बेहद निराश हुए थे। मनोज ने वास्तविक सिनेमा के बजाय मुख्यधारा के मनोरंजनकर्ताओं को प्राथमिकता देने के बारे में चिंता व्यक्त की थी। वहीं, अब मनोज बाजपेयी ने ट्वीट कर फैंस को खुशखबरी दी है। अभिनेता ने एक्स पर साझा किया कि उनकी फिल्म जोरम के स्क्रीनप्ले को एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज लाइब्रेरी के मुख्य संग्रह में शामिल किया जा रहा है।

मनोज ने जोरम का एक पोस्टर साझा किया और लिखा, यहां जोरम के लिए एक और पेज-टर्निंग जीत है। स्क्रीनप्ले, एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज लाइब्रेरी के मुख्य संग्रह का हिस्सा बन गई है। जैसे ही अभिनेता ने यह खबर साझा की फैंस, कलाकार और फिल्म की टीम को बधाई देने लगे। एक व्यक्ति ने टिप्पणी की, बधाई हो सर। दूसरे ने सवाल किया, ओटीटी रिलीज की तारीख क्या है, और यह किस प्लेटफॉर्म पर आ रही है। जोरम की कहानी एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जो अपने बच्चे को सिस्टम के दमनकारी उपायों से बचाने और उसके साथ भागने की कोशिश कर रहा है। जोरम में बाजपेयी के अलावा मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिका में हैं। मखीजा फिल्म के सहयोग से जी स्टूडियो द्वारा निर्मित जोरम में स्मिता तांबे और मेघा माथुर भी अहम भूमिकाओं में हैं। साथ ही तनिष्ठा चटर्जी और राजश्री देशपांडे भी विशेष भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म आठ दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फैंस को इसकी ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

मनोज बाजपेयी का वर्कफ्रंट

मनोज बाजपेयी वर्तमान में नेटफ्लिक्स की थ्रिलर सीरीज, किलर सूप में कोंकणा सेन शर्मा के साथ नजर आ रहे हैं। सीरीज में इन दोनों के अलावा नासिर, सयाजी शिंदे और लाल सहित कई शानदार कलाकार हैं। किलर सूप क्राइम के साथ कॉमेडी का मजा दे रही है। अभिषेक चौबे द्वारा निर्देशित व सह-लिखित और हनी त्रेहान और चेतना कौशिक के जरिए निर्मित यह नेटफ्लिक्स सीरीज 11 जनवरी, 2024 को रिलीज हो चुकी है। मनोज बाजपेयी की पाइपलाइन में सीरीज फैमिली मैन 3 भी है।

राखी सावंत की बढ़ीं मुश्किलें

राखी सावंत की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। मुंबई की एक सत्र अदालत ने अभिनेत्री को बड़ा झटका देते हुए हाल ही में उनकी अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। उनके अलग हुए पति आदिल दुर्रानी द्वारा दायर एक शिकायत के संबंध में राखी ने यह याचिका दायर की थी। अदिल ने आरोप लगाया गया था कि अभिनेत्री ने उनके निजी वीडियो लीक किए हैं।

राखी सावंत पर भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मानहानि सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। आदेश आठ जनवरी को पारित किया गया और शुक्रवार को उपलब्ध कराया गया। शिकायत के अनुसार, 25 अगस्त 2023 को एक टीवी शो के दौरान सावंत द्वारा दो वीडियो दिखाए गए थे। वहीं, इस याचिका के खिलाफ राखी ने गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि उनके पति उत्पीड़न सहित कई आरोपों का सामना कर रहे हैं। साथ ही, उन्होंने इसमें यह भी कहा था कि उनके खिलाफ कोई अपराध का मामला नहीं बनता है और उन्होंने जांच में सहयोग भी किया है। वहीं, अभियोजन पक्ष ने यह कहते हुए उसकी याचिका का विरोध किया कि विचाराधीन वीडियो व्हाट्सएप पर साझा किए गए थे। दोनों पक्षों को सुनने के बाद इस पर अदालत ने कहा कि घटना के तथ्यों, आरोपों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद, यह अग्रिम जमानत देने का उपयुक्त मामला नहीं है।

अजब-गजब | नाइजीरिया के फुलानी जनजाति में है अजीबो-गरीब परंपरा

यहां मनमुताबिक शादी के लिए कुंवारे लड़कों को सहनी पड़ती है डंडों से पिटाई

दुनिया के अलग-अलग इलाकों में कई रहस्यमयी जनजातियां रहती हैं। यह अपनी परंपरा, रहन-सहन और खान-पान के लिए जानी जाती है। आधुनिक युग में लोग अपनी परंपराओं को भूल रहे हैं, जबकि आदिवासी प्रजातियां आज भी अपनी हजारों साल पुरानी परंपराओं का पालन करती हैं। जनजातियां जहां पर रहती हैं, वहां पर उनका पूरा अधिकार होता है। जनजातियों के अधिकारों में सरकारें भी दखल नहीं देती हैं। दुनिया में पाई जाने वाली इन जनजातियों में कई अजीबोगरीब रीति रिवाजों का पालन किया जाता है।

अफ्रीका में आज भी कई जनजातियां रहती है, जिनकी मान्यताओं के बारे में जानकर हैरानी होती है। यहां पर एक फुलानी नाम की जनजाति रहती है। इस जनजाति में पत्नी को पाने के लिए मर्दों को दर्द सहना पड़ता है। आइए आज हम आपको इस अजीबोगरीब जनजाति के बारे में विस्तार से बताते हैं... एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नाइजीरिया में फुलानी नाम की जनजाति रहती है, जो पश्चिमी अफ्रीका के कई देशों में पाई जाती है। इस जनजाति में एक शारों नाम का उत्सव मनाया जाता है। इसमें सभी के सामने पुरुषों को मारा जाता है। इस उत्सव

में तय किया जाता है कि किस पुरुष को अपने मन मुताबिक पत्नी मिलेगी। इस जनजाति में पुरुषों का मार खाना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। इस उत्सव में कुंआरे पुरुष इकट्ठा होते हैं। इसके बाद बुजुर्ग लकड़ी के डंडे से उनको पीटते हैं। इस बीच दूसरे लोग और युवकों के परिवार के लोग देखते रहते हैं। अगर युवक मार की दर्द नहीं झेल पाता है, तो उसको कमजोरा माना जाता है। इसके बाद लड़की के साथ ही परिवार वाले भी शादी के लिए उपयुक्त वर नहीं मानते हैं। माना जाता है कि जो पुरुष जितना दर्द सहेंगे, उनका होने वाली पत्नी के साथ उनका प्यार बढ़ेगा। माना जाता है कि दर्द झेलने वाला मर्द लड़की से बेहद प्यार करता है। लड़की के लिए वो किसी दर्द को भी झेल सकते हैं। यह प्रतियोगिता लड़की के लिए होता है। इसमें जिसकी जीत होती है, वो लड़की का दूल्हा बनता है। जीतने वाला लड़का शादी के लिए अपने मन मुताबिक, लड़की चुन सकता है।

सांप का खून पीते हैं चीन के लोग, विज्ञान के मुताबिक सांप के खून में नहीं होता जहर

दुनिया के सबसे जहरीले जानवरों में सांप शामिल हैं। किंग कोबरा, करैत या धरती पर कई ऐसे जहरीले सांप हैं, जिनके काटने से इंसान की कुछ मिनट में ही मौत हो सकती है। लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया के कई इलाकों में लोग सांप का खून पीते हैं। इसके साथ ही नसे के लिए सांप से शरीर पर कटवाते हैं। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि कई दवाओं में भी सांप के जहर का इस्तेमाल किया जाता है। दुनिया के कई देशों में लोग सांप का खून क्यों पीते हैं? चीन, वियतनाम, हॉन्गकॉन्ग और इंडोनेशिया में स्नेक वाइन काफी प्रसिद्ध हैं। चीनी मानते हैं कि सांप के खून में ऐसी चीज होती है, जिससे यौन क्षमता बढ़ती है। इसके साथ ही त्वचा के लिए भी अच्छी होती है और जवान रखती है। सदियों से सांप से त्वचा रोग का इलाज होता रहा है जिसका इतिहास पुराना है।

100 ईसा पहले इसका जिक्र मिलता है। इंडोनेशिया में त्वचा की गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सांप की त्वचा का लेप की तरह इस्तेमाल होता था। वहां पर सेना के खाने में सांप का खून शामिल हैं। सैनिकों को सांप का खून और मांस दिया जाता है। दुनिया की कई जनजातियों में दशकों से सांप का खून पीने की परंपरा चल रही है। लैटिन अमेरिका और दुनिया के कुछ इलाकों में रहने वाली जनजातियां सांप के खून को बहादुरी से जोड़कर देखती हैं। ऐसा माना जाता है कि दो जितना खून पीता है वह अधिक बहादुर और ताकतवर होता है। न्यू साइंटिस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सांप के खून में फैटी एसिड्स जैसी कई तरह की चीजें पाई जाती है। यह हृदय के लिए अच्छी मानी जाती हैं। वैज्ञानिकों ने सांप के ब्लड प्लाज्मा को चूहे में ट्रांसफर किया, तो पाया कि पहले के मुकाबले उनका हृदय अच्छे तरीके से काम कर रहा था। लेकिन प्लाज्मा ट्रांसफर का तरीका इंसानों पर भी कारगर है, यह कहा नहीं जा सकता है। सांप का खून पीने से लोगों की मौत नहीं होती है, जिसकी वजह यह है कि सांप के खून में जहर नहीं होता है। शरीर के एक विशेष हिस्से में सांप जहर को इकट्ठा करते हैं, जिसे ग्रंथि कहा जाता है, जो खून को जहर से अलग रखती है। इसीलिए सांप के काटते वक्त उसकी ग्रंथि उसके दांतों के जरिए जहर को बाहर निकाल देती है और काटने वाले के खून में जहर पहुंच जाता है।

भारी अन्याय का सामना कर रहे देशवासी : राहुल

बोले- बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर बीजेपी को घेरेंगे

» भारत जोड़ो न्याय यात्रा में जुटी अपार भीड़

» 67 दिन में 15 राज्यों और 110 जिलों से होकर गुजरेगी यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणीपुर से भरत जोड़ों न्याया यात्रा की शुरुआत बाद कांग्रेस नेता राहलु गांधी ने बीजेपी व मोदी पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इसके जरिए पार्टी का प्रयास होगा कि लोकसभा चुनाव में बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को विमर्श के केंद्र बिंदु में लाए जाए। इंफाल के बोथल से बस के जरिए यात्रा शुरू करने से पहले राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाली जा रही है क्योंकि देशवासी भारी अन्याय का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी का लक्ष्य एक ऐसे भविष्य का दृष्टिकोण पेश करना है जो सद्भावना, समान भागीदारी और भाईचारे से भरा हो।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यात्रा शुरू करने से पहले खोंगजोम युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। राहुल गांधी ने कहा, 2004 से राजनीति में हूं। पहली बार हिंदुस्तान के एक प्रदेश गया हूं जहां पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। जिसे आप मणिपुर कहते थे, वो अब रहा ही नहीं। देश के प्रधानमंत्री आज तक यहां लोगों के आंसू पोंछने, हाथ पकड़ने नहीं आए। शायद भाजपा, आरएसएस के लिए मणिपुर देश का हिस्सा नहीं है। कांग्रेस की यात्रा शुरू करने के लिए राज्य का चुनाव किए जाने का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा, सवाल उठा था कि यात्रा शुरू कहां से होनी चाहिए? मैंने साफ कहा कि यह यात्रा मणिपुर से ही शुरू होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि मणिपुर में जो हुआ वो भाजपा, आरएसएस की नफरत की राजनीति का प्रतीक है। लोकसभा चुनाव से पहले निकाली जा रही यह यात्रा 67 दिन में 15 राज्यों और 110 जिलों से होकर गुजरेगी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान लगभग 6,700 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। यात्रा ज्यादातर बस से होगी, लेकिन कहीं-कहीं पदयात्रा भी होगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सात सितंबर 2022 से 30 जनवरी 2023 तक कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी। उनकी 136 दिन की इस पदयात्रा में 12 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों के 75 जिलों और 76 लोकसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए 4,081 किलोमीटर की दूरी तय की गई थी।

देश में तानाशाही चलाई जा रही है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश मे तानाशाही चलाई जा रही है और भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने में जुटी है। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा को हरी झंडी दिखाने से पहले उन्होंने यह दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर वोट मांगने तो आए थे, लेकिन राज्य के लोग जब हिंसा के कारण मुश्किल में आए तो वह नजर नही आए। उनका कहना था कि राहुल गांधी ने न्याय यात्रा के जरिए ऊंची उड़ान का हौसला बनाया है। खरगे ने कहा कि राहुल गांधी चार सिद्धांतो न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व के लिए लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने इस यात्रा के लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया के अपने सहयोगी दलों के नेताओं को भी आमंत्रित किया है और उसे उम्मीद है कि विभिन्न राज्यो मे इस गठबंधन से जुड़े दलो के प्रमुख नेता यात्रा का हिस्सा बनेंगे।

शिवसेना में शामिल होते ही राहुल पर बरसे देवरा

पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवरा ने को शिवसेना में शामिल होने के बाद कांग्रेस नेतृत्व पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी अब वैसी नहीं है, जैसी पहले हुआ करती थी, जब मनमोहन सिंह ने आर्थिक सुधार शुरू किए थे। उन्होंने कहा कि अब पार्टी उद्योगपतियों, कारोबारियों को गाली देती है और उन्हें राष्ट्र-विरोधी कहती है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आधिकारिक आवास 'वर्षा' में एक सभा को संबोधित करते हुए देवरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पास देश के विकास के लिए एक दृष्टिकोण है। उन्होंने शिंदे को ऐसा मुख्यमंत्री बताया, जिनतक पहुंच बहुत आसान है। कांग्रेस छोड़ने का निर्णय लेना आसान नहीं था, जिसके साथ देवरा परिवार 55 वर्षों से जुड़ा रहा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अच्छे लोगों की आवश्यकता है। यह शिंदे और लोकसभा सदस्य श्रीकांत शिंदे की राय है कि मैं उनके दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व कर सकता हूं और मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं उनका आभारी हूं। देवरा ने शिंदे की ओर इशारा करते हुए कहा, ''मैं एक बात बताना चाहता हूं, कांग्रेस कठिन दौर से गुजर रही ।

वरिष्ठ नेता न्याय नहीं मिलने के कारण कांग्रेस छोड़ रहे हैं : अनुराग ठाकुर

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को रविवार को एक प्रपंच बताया और कहा कि इस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को न्याय नही मिल रहा है और वे दूसरे दलों में शामिल हो रहे है। ठाकुर ने कपिल सिब्बल, गुलाम नबी आजाद, हिमंत विश्व शर्मा, हार्दिक पटेल, ज्योतिरादित्य सिंधिया, आर. पी. एन सिंह और सुनील जाखड़ जैसे नेताओं के कांग्रेस छोड़ने का जिक्र किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ठाकुर ने कहा, ऐसे नेताओं की एक लंबी सूची है, जिन्होंने कांग्रेस छोड़ दी है, क्योंकि उन्हें पार्टी मे न्याय नही मिल रहा है। अब मिलिंद देवरा ने भी कांग्रेस छोड़ दी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कभी राहुल गांधी के करीबी सहयोगी रहे देवरा ने रविवार को कांग्रेस छोड़ दी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना मे शामिल हो गए। ठाकुर ने कहा, कांग्रेस की न्याय यात्रा एक प्रपंच है। राहुल गांधी और सोनिया गांधी लोगों को न्याय देने की बात करते है, लेकिन हकीकत यह है कि कांग्रेस नेता खुद न्याय से वंचित है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोगो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे अपना विश्वास जताया है और उनके साथ जुड़ने के इच्छुक है। विपक्षी गठबंधन इंडिया पर कटाक्ष करते हुए ठाकुर ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल मे, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ सीट साझा करने के लिए तैयार नही है, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गठबंधन के संयोजक बनने के इच्छुक नही है और जब गठबंधन के चेहरे के तौर पर मल्लिकार्जुन खरगे का नाम आगे किया गया तो गांधी परिवार नाखुश था। ठाकुर ने कहा, यह गठबंधन नही, बल्कि मनोरंजन है।

मशहूर साहित्यकार व शायर मुनव्वर राना का निधन

» अखिलेश, राजीव शुक्ला व अन्य दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मां पर अपनी अमिट नज्म लिखने वाले मशहूर शायर मुनव्वर राना का 71 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें सोमवार को सुपुर्द-खाक कर दिया गया। गौरतलब हो राना की नज्म 'मां' का उर्दू साहित्य जगत में एक अलग स्थान रहा है। उनके निधन पर यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी और राजीव शुक्ला समेत अन्य राजनेताओं ने दुख जताया है।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, तो अब इस गांव से रिश्ता हमारा खत्म होता है, फिर आंखें खोल ली जाएं कि सपना खत्म होता है...देश के जानेमाने शायर मुन्नवर राना जी का निधन अत्यंत हृदय विदारक, दिवंगत आत्मा की शांति की कामना, भावभीनी श्रद्धांजलि। राना की बेटी सोमैया राना ने बताया कि उनके पिता का रविवार देर रात लखनऊ स्थित संजय गांधी परास्नातक आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में निधन हो गया। सोमैया राना ने बताया कि पिता का सोमवार को लखनऊ में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। उनके परिवार में उनकी मां, चार बहनें और एक भाई हैं।

बंगाल में कोई भी राजनीतिक कार्यक्रम कर सकता : कुणाल घोष

» तृणमूल ही बस भाजपा के खिलाफ लड़ रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल ने रविवार को कहा कि राज्य में कोई भी राजनीतिक कार्यक्रम कर सकता है लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के खिलाफ लड़ाई ममता बनर्जी नीत पार्टी ही यहां लड़ रही है। तृणमूल कांग्रेस की यह टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मणिपुर में शुरू होने के बीच आई है।

राहुल गांधी की यह यात्रा तृणमूल कांग्रेस शासित पश्चिम बंगाल सहित 100 लोकसभा क्षेत्रों से गुजरेगी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बारे में पूछे जाने पर तृणमूल कांग्रेस प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि कोई भी राज्य में राजनीतिक कार्यक्रम कर सकता है क्योंकि उसने लोकतांत्रिक ताने बाने को कायम रखे हुए है। हालांकि, सभी को यह याद रखना चाहिए कि भाजपा विरोधी लड़ाई पश्चिम बंगाल की धरती पर तृणमूल कांग्रेस द्वारा लड़ी जा रही है।

जायसवाल-दुबे ने बढ़ाया भारत का यश

» दूसरे टी-20 में अफगानिस्तान को हराकर सीरीज जीती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज का दूसरा मुकाबला इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला गया है। इस मैच में भारतीय टीम ने छह विकेट से जीत दर्ज की है। ये मैच कई मायनों में भारतीय टीम और कप्तान रोहित शर्मा के लिए खास रहा है। इस मैच में स्टार ओपनर शुभमन गिल और तिलक वर्मा को मौका नहीं दिया गया। भारतीय टीम ने इस मैच को 26 गेंदे शेष रहते हुए छह विकेट से जीता है। इसी के साथ सीरीज भी भारत के नाम हुई है।

इस मैच में भारतीय टीम के लिए यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे ने फिर से तूफानी पारी खेली और मैच भारतीय टीम की झोली में डाला। इस मैच में रोहित शर्मा काफी चर्चा में रहे क्योंकि उन्होंने अपने नाम कई रिकॉर्ड किए है। यशस्वी जायसवाल ने अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 धमाकेदार पारी खेलते हुए भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। जायसवाल ने 6 छक्कों समेत 200 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की। इंदौर में अफगान टीम के खिलाफ दूसरे टी20 में जायसवाल ने 34 गेंदों में 5 चौके और 6 छक्के लगाकर 68 रनों की पारी खेली और भारत के लिए जीत की राह आसान की।

रोहित ने की धोनी की बराबरी

रोहित शर्मा ने इस मैच में जीत हासिल कर एमएस धोनी के एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली है। रोहित शर्मा एमएस धोनी के बराबर ही टी20 मैच जीतने वाले कप्तान बन गए है। रोहित की अगुवाई में भारतीय टीम ने 41वां टी20 मैच जीता, जिसके साथ ही उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी के बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रोहित शर्मा कप्तान के तौर पर कुल 53 मैच खेल चुके हैं जिसमें से 41 में जीत हासिल हुई है। वहीं महेंद्र सिंह धोनी ने अपने करियर में कुल 72 टी20 मैच खेले है। इसमें से उन्होंने 41 मैचों में जीत हासिल की जबकि 28 में हार का सामना करना पड़ा है। इनके बाद तीसरे नंबर पर विराट कोहली आते हैं जिन्होंने 50 मैच बतौर कप्तान खेले हैं और 30 में जीत मिली है, जबकि 16 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में रोहित शर्मा के नाम एक और रिकॉर्ड हुआ है। इसके तहत रोहित शर्मा सबसे अधिक टी20 सीरी जीतने वाले कप्तान भी बन गए है।

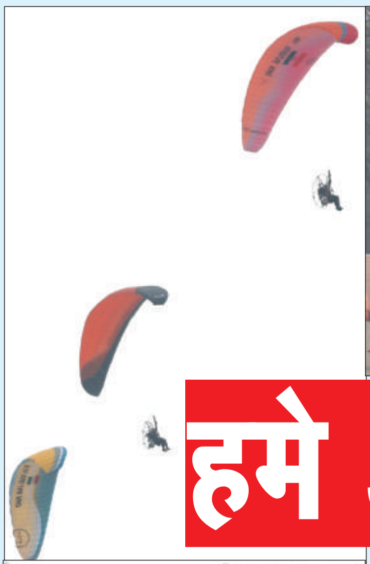

हमे अपने सैनिकों पर गर्व है : सेनाध्यक्ष

» जनरल मनोज पांडे ने कहा- सेना दिवस लखनऊ में होना खुशी की बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय सेना दिवस पर सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे का ने कहा है कि मैं देश के लिए बलिदान देने वाले सभी वीरों को श्रद्धांजलि देता हूँ। आज के दिन पुरुस्कार पाने वाले जवानों और यूनिटों को शुभकामनाएं देता हूं। सेनाध्यक्ष ने कहा कि हमनें सेना से जुड़े कार्यक्रमों को दिल्ली से बाहर करने की शुरुआत की है। मुझे खुशी है कि 76 वे सेना दिवस का आयोजन लखनऊ में किया जा रहा है।

मुझे गर्व है कि हमारे सैनिकों ने हर चुनौती में निष्ठा से कार्य किया है। राजौरी-पुंछ में आतंकी गतिविधियों में बढ़ोत्तरी देखी गई है। घुसपैठ के लगातार प्रयासों से ये साबित होता है कि सीमा पार आतंकी ढांचा अभी भी बरकरार है। हमारे जवानों ने संयम से कार्य कर द्विपक्षीय शांति कायम करने में अहम भूमिका निभाई है। हम अपनी युद्ध क्षमता को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे है।

सेना को मजबूत बनाने का हो रहा कार्य

आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण से सेना को मजबूत बनाने का कार्य हो रहा है। अग्निवीरो के 2 बैच की तैनाती हो चुकी है- सेनाध्यक्ष। अग्निवीरो का सेना में चयन की पारदर्शी व्यवस्था की गई है। इंडियन नेवी- एयरफोर्स के साथ जॉइंट ऑपरेशन के जरिये बेहतर समन्वय का प्रयास कर रहे है। सेना को फ्यूचर रेडी फोर्स बनाने के लिए हम सतत अग्रसर रहेंगे । हमारे सैनिक हमारी ताकत है। सैनिकों व उनके परिवार का कल्याण सदैव भारतीय सेना की प्राथमिकता रहेगा। नाम, नमक और निशान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संकल्प लेते हैं।

नाराज यात्री ने कैप्टन पर बोला हमला

» विमान की उड़ान में देरी से था नाराज, बिठाई गई जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। खराब मौसम के चलते फ्लाइट के लेट होने का सिलसिला लगातार जारी है। इस बीच दिल्ली में एक विमान के उड़ान भरने में देरी को लेकर एक यात्री इतना नाराज हो गया कि उसने फ्लाइट के कैप्टन पर ही हमला बोल दिया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में शख्स को पायलट को घूंसा मारते देखा जा सकता है। विमानन सुरक्षा एजेंसी ने इस घटना का संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बताया गया है कि यह घटना तब हुई जब पायलट माइक्रोफोन पर यात्रियों को दिल्ली से गोवा जा रही फ्लाइट के कोहरे के चलते लेट होने की जानकारी दे रहा था। इसी दौरान यात्री ने पायलट को घूंसा मार दिया। यात्री की पहचान साहिल कटारिया के तौर पर की गई है। दिल्ली पुलिस ने इस घटना पर कहा, आरोपी के खिलाफ हम उचित कानूनी कार्रवाई करेंगे। इंडिगो ने भी यात्री के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर टकराईं दो बसें, 40 घायल

» इटावा व धौलपुर जा रही थी बसें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। सोमवार सुबह उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर दो बसें आपस में टकरा गईं। इस दुर्घटना में कम से कम 40 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना मथुरा में माइल स्टोन 110 राया कट पर सुबह करीब तीन बजे हुई। उन्होंने बताया कि धौलपुर से नोएडा जा रही एक बस दूसरी बस से टकरा गई, जो इटावा से नोएडा जा रही थी। घटना के लिए कोहरे के कारण कम दृश्यता (लो विजिबिलिटी) को जिम्मेदार माना जा रहा है। उत्तर भारत के कुछ हिस्से घने कोहरे में डूबे हुए हैं और दृश्यता कम हो गई है।

उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर सोमवार की तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां दो बसें आपस में टकरा गईं। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। हादसे में 40 लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं बसों को हटवाकर यातायात सुचारू करा दिया गया है। हादसा राया कट के पास यमुना एक्सप्रेसवे के माइल स्टोन-110 पर तड़के करीब 3 बजे हुआ। यहां दो बसें आमने-सामने टकरा गईं। शोर सुनकर राहगीर रुक गए।

कारों की टक्कर में छह की मौत

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में दो कारों की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस उपाधीक्षक धर्माराम गिला लक्ष्मणगर्ग ने बताया कि हमें हाईवे पर दो गाड़ियों की टक्कर की सूचना मिली। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है और पांच घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मृतकों की पहचान का पता लगाया जा रहा है। उन्हें दोनों कारों से दो पहचान पत्र मिले हैं- एक पहचान पत्र मौलासर जिला, नागौर का है और दूसरा सीकर का है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार शाम एक ट्वीट में कहा कि घायलों को उचित इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं।

कोहरे के कहर से ठंड बढ़ी, कांपा उत्तर भारत

» मौसम विभाग की चेतावनी- अभी और स्थिति बिगड़ेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूरे उत्तर भारत में ठंड का सितम जारी है। मौसम विभाग का कहना है कि अभी यह कहर आगे भी जारी रहेगा। विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए लोगों को सावधानी बरतने की अपील की है। सिंधु-गंगा का मैदानी इलाका इन दिनों भयंकर कोहरे की चपेट में है। सिंधु गंगा के मैदानी इलाके में पश्चिम में पाकिस्तान से लेकर पूर्व में बंगाल की खाड़ी तक का इलाका शामिल है। सैटेलाइट तस्वीरों से इसका पता चला है। मौसम विभाग ने कोहरे की वजह बताते हुए कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते ऐसा हो रहा है।

साथ ही अभी एक-दो दिन सर्दी का सितम भी जारी रहेगा और उत्तर पश्चिम भारत के कुछ इलाकों में तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में 14 जनवरी से 16 जनवरी तक भीषण कोहरे का असर देखने को मिलेगा। कुछ जगहों पर 16-17 जनवरी को भी कोहरे का असर देखा जाएगा। पश्चिमी विक्षोभ या वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरी इलाकों में सर्दियों के मौसम में आने वाले ऐसे तूफान होते हैं, जो वायुमंडल की ऊंची तहों में भूमध्य सागर, अंध महासागर और कुछ हद तक कैस्पियन सागर से नमी लाकर उसे वर्षा या बर्फ के रूप में उत्तर भारत, पाकिस्तान और नेपाल में गिरा देता है। उत्तर भारत में रबी की फसलों के लिए, खासकर गेहूं की फसल के लिए यह पश्चिमी विक्षोभ काफी जरूरी होते हैं। रविवार को दिल्ली में भीषण कोहरे का असर सुबह तीन बजे से लेकर साढ़े दस बजे तक देखा गया।

यातायात प्रभावित

इसके असर से दिल्ली एयरपोर्ट पर 20 फ्लाइट्स को डायवर्ट करना पड़ा। वहीं 400 से ज्यादा फ्लाइट्स में देरी हुई। कोहरे के असर से रविवार सीजन का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस तक गिरा। हालांकि दोपहर में धूप खिलने से लोगों को सर्दी से थोड़ी राहत मिली। 16 जनवरी तक उत्तर पश्चिम में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।